>

Title: Need to provide drinking water in schools in Uttar Pradesh.

**डॉ. संजय सिंह (सुल्तानपुर):** मेरे संसदीय क्षेत्र सुल्तानपुर जनपद एवं छत्रपति साहू महाराज नगर में घटते भू जल स्तर के चलते पेयजल की समस्या विकट हो गई है। इन दोनों जिलों में स्थित दसवीं क्लास तक के 214 स्कूलों में अभी तक पेयजल की सुविधा नहीं है। विद्यार्थियों को पांच घंटे से ज्यादा समय तक स्कूल में रहना पड़ता है, उन्हें प्यास तो लगती होगी। इसी तरह से ग्रामीण इलाकों में स्थित प्राथमिक स्कूल एवं आंगनबाड़ी स्कूलों में पेयजल की व्यवस्था नहीं है। मिड डे मील के साथ पानी की आवश्यकता पड़ती है। जब जन प्रतिनिधि के रूप में इन समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष लाया जाता है तो उनको कार्य योजना में शामिल नहीं किया जाता है। जबकि नियमानुसार जन प्रतिनिधि के प्रस्ताव पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य योजना में शामिल करना चाहिए और शामिल करने एवं शामिल नहीं करने के कारणों सहित जन प्रतिनिधियों को अवगत कराया जाना चाहिए। इस संबंध में मैं यह कहना चाहता हूं कि मेरे द्वारा भेजे गए प्रस्तावों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। जबकि उत्तर प्रदेश सरकार ने इस संबंध में निर्देश भी दिए हैं। निर्देश दिए जाने के बाद भी प्रस्तावों को कार्य योजना में शामिल नहीं किया जाता। इस तरह की प्रवृत्ति के विरूद्ध कार्यवाही करना अति आवश्यक है अन्यथा जन प्रतिनिधि मूक दर्शक ही बन जाएंगे।

अतः अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र सुल्तानपुर में बतौर सांसद मेरे प्रस्तावों पर केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के निर्देशों का पालन नहीं करने के मामलों की जांच कर सख्ती से पालन कराया जाए और पेयजल की सुविधा को मेरे संसदीय क्षेत्र में निर्देशों के अनुसार प्राथमिकता देकर कार्य योजना में शामिल किया जाए।